ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-८
दिनांक-शुक्रवार,२५ जनवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २२.७ एवं १३.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९२ सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ३.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.५ एवं दोपहर में २३.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा एवं कुछ क्षेत्रों में बूंदा-बूंदी हुई। सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२६ से ३० जनवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६ से ३० जनवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार में अभी भी वर्षा की संभावना बनी हुई है। २५ जनवरी के दोपहर से २६ जनवरी के सुबह तक वर्षा की संभावना बनी रहेगी। इसके बाद आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने का अनुमान हैं।
- अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ८ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ५ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। हालांकि ३० जनवरी में पुरवा हवा हवा चलने का अनुमान है ।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले १२-२४ घंटे के अन्दर हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतें। इस अवधि में फसलों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं करें। खड़ी फसलों में इस समय सिंचाई स्थगित रखें। हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई नहीं करें। खुदाई की गई हल्दी एवं ओल की कंद को सुरक्षित स्थानों पर भंडारित कर लें।
- विगत मौसम पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की वर्षा हुई है। जिसके चलते खेतों में नमी आ गई है। किसान भाई इसका फायदा उठाते हुए खड़ी फसलों में नेत्रजन का उपरिवेशन करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सब्जियों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे-छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- पिछात गेहूँ में दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर खड़ी फसलों में समान रूप से बिखेर दे।
- फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, मूली, मटर, बैंगन, टमाटर एवं मिर्च की खड़ी सब्जियों की फसल में कीट एवं रोग-व्याधि से बचाव हेतु नियमित रुप से देख-रेख करें। आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें।
- मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की हो गयी हो, उसमें ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंस प्रति एकड़ की दर से लगायें।
- चारे की फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से ५० ग्राम नमक, ५० से १०० ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें। रात में पशुओं को खुले स्थानों पर नही रखें । बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः २२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १३.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ५.५ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी